Patrika (Indore), 03rd August 2025, Page – Plus 02

एडवांस्ड माइक्रो-3डी प्रिंटिंग तकनीक का लाइसेंस आइआइटी इंदौर ने किया ट्रांसफर

लैब टू मार्केट: उद्योग के काम आएगी तकनीक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर ने अपनी विकसित की एडवांस्ड माइक्रो-3डी प्रिंटिंग तकनीक का लाइसेंस उद्योग क्षेत्र की कंपनी वीफ्यूज मेटल प्राइवेट लिमिटेड को दे दिया है। यह तकनीक अब प्रयोगशाला से निकलकर सीधे उद्योगों में उपयोग के लिए उपलब्ध हो सकेगी। यह कदम नवाचार को उद्योगों से जोड़ने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

क्या है तकनीक: आइआइटी इंदौर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विकसित यह तकनीक लेजर डेकल ट्रांसफर आधारित माइक्रो 3डी प्रिंटर है। इसे प्रोफेसर पलानी ई. आनंद, प्रोफेसर विपुल सिंह, डॉ. अंशु साहू और कृष्ण तोमर की टीम ने मिलकर तैयार किया है। यह तकनीक थिन-फिल्म फीडस्टॉक के जरिए बेहद बारीक (माइक्रोन स्तर की) संरचनाएं तैयार करने में सक्षम है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह ज्यादा सटीकता और सामग्री की बचत के साथ काम करती है।

कहां होगा इसका उपयोग?

यह माइक्रो 3डी प्रिंटर कई क्षेत्रों में बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। जैसे माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोमेडिकल डिवाइसेज, फ्लेक्सिबल वियरेबल टेक्नोलॉजी, सेंसर निर्माण, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग। इन सभी क्षेत्रों में उच्च स्तर की सटीकता और सूक्ष्मता की जरूरत होती है, जो यह तकनीक बखूबी पूरी कर सकती है।

नवाचार और उद्योग साथ: आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा, यह टेक्नोलॉजी ट्रांसफर इस बात का उदाहरण है कि हम अपने शोध कार्य को समाज के लिए कैसे उपयोगी बना सकते हैं। हमें गर्व है कि हमारी तकनीक अब उद्योग जगत के काम आएगी। अनुसंधान एवं विकास अधिष्ठाता प्रोफेसर अभिरूप दत्ता ने कहा, इस तरह की साझेदारियां दिखाती हैं कि नवाचार और उद्योग किस तरह साथ मिलकर आगे बढ़ सकते हैं। हम ऐसे और सहयोगों को प्रोत्साहित करते रहेंगे।